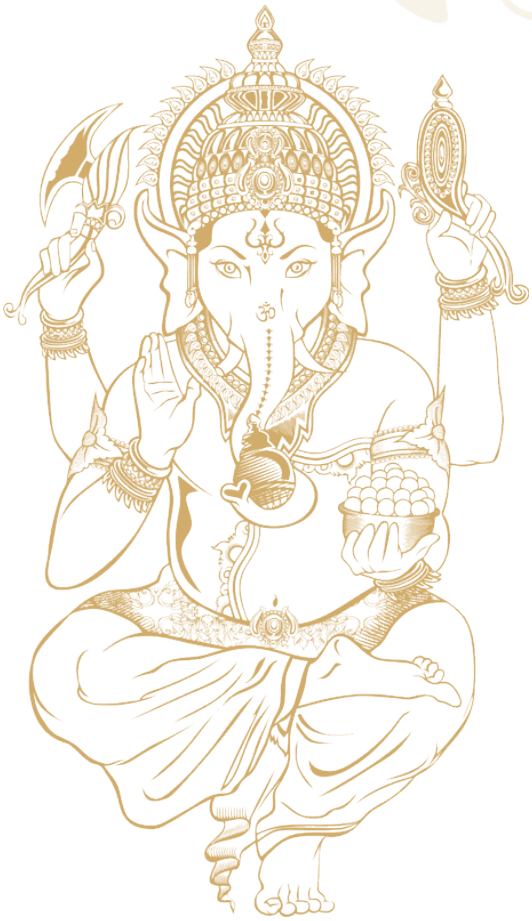

Dhruv Agarwal

Prakshi Agarwal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120568501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120568501 Date: 15/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/02/1995	जन्म तिथि	14/11/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:35:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 29:03:09	जन्म समय(घटी)	04:27:38 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:44	सूर्योदय	06:42:56
18:12:51	सूर्यास्त	17:28:02
23:47:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18
सिंह	लग्न	वृश्चिक
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
हस्त	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	2
शूल	योग	विष्कुम्भ
बव	करण	बव
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	श्वान

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 2मा 16दि		11:12:35	सिंह	लग्न	वृश्चि	19:44:52	सूर्य 3वर्ष 3मा 12दि	
राहु		05:36:55	कुंभ	सूर्य	तुला	27:41:20	राहु	
06/05/2009		13:43:03	कन्या	चंद्र	कन्या	02:41:55	26/02/2019	
07/05/2027		26:34:39	कर्क व	मंगल	सिंह	28:34:59	26/02/2037	
राहु	17/01/2012	12:08:05	मक	बुध	वृश्चि	20:15:27	राहु	08/11/2021
गुरु	12/06/2014	18:58:09	वृश्चि	गुरु	कुंभ	24:19:25	गुरु	03/04/2024
शनि	18/04/2017	21:47:46	धनु	शुक्र	वृश्चि	01:26:55	शनि	08/02/2027
बुध	05/11/2019	19:19:28	कुंभ	शनि व	मेष	04:41:13	बुध	27/08/2029
केतु	23/11/2020	14:06:22	तुला व	राहु व	सिंह	03:54:43	केतु	15/09/2030
शुक्र	24/11/2023	14:06:22	मेष व	केतु व	कुंभ	03:54:43	शुक्र	15/09/2033
सूर्य	17/10/2024	04:28:11	मक	हर्ष	मक	15:15:51	सूर्य	09/08/2034
चन्द्र	18/04/2026	00:32:56	मक	नेप	मक	05:51:30	चन्द्र	08/02/2036
मंगल	07/05/2027	06:45:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:27:07	मंगल	26/02/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:33 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:18

लग्न-चलित

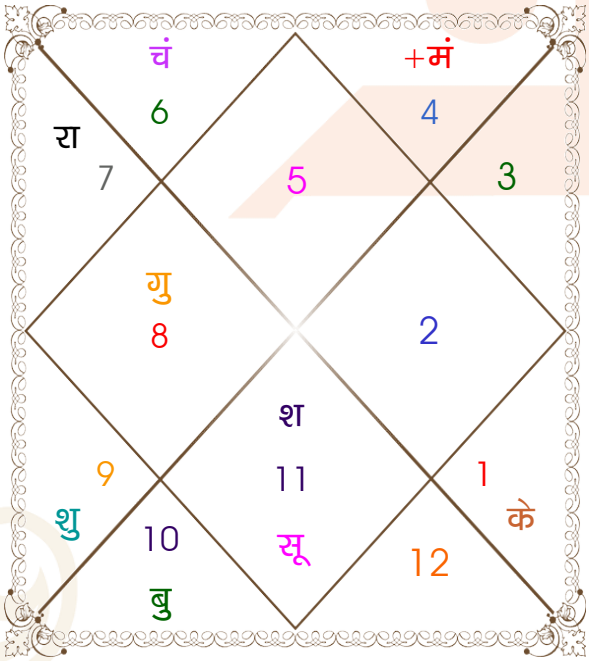

लग्न-चलित

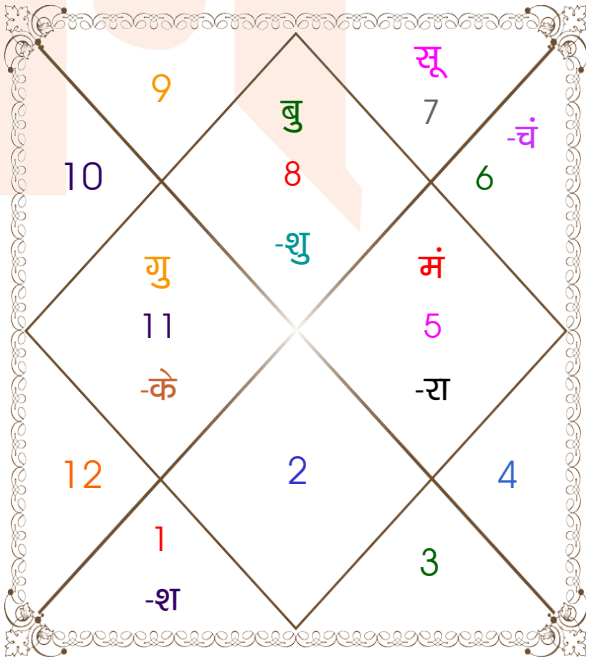

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

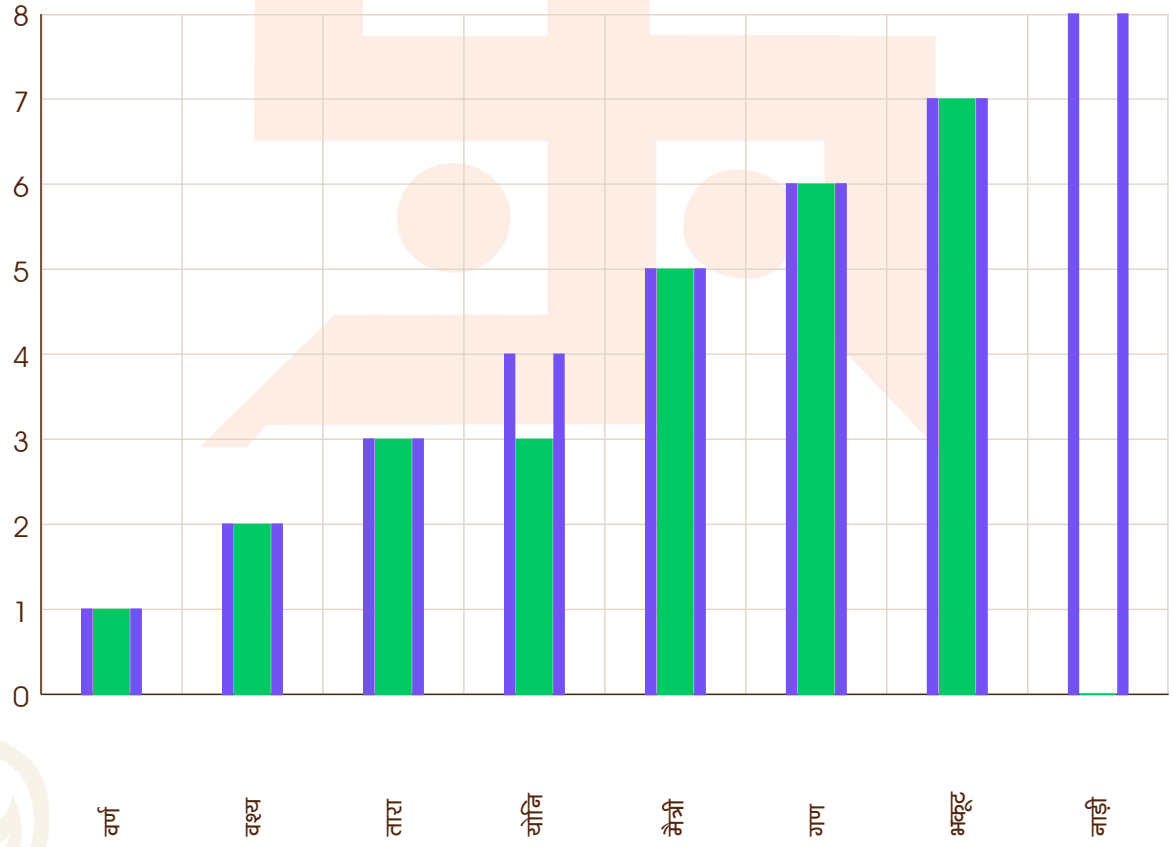

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र भिन्न हैं तथा राशियां एक है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

वीतनअ ।हंतूंस का वर्ग मेष है तथा च्तोंीप ।हंतूंस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार वीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

वीतनअ ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल वीतनअ ।हंतूंस कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल वीतनअ ।हंतूंस कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तोंीप ।हंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्तोंीप ।हंतूंस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

मंगलीक दोष कट जाता है।

कीतनअ ।हंतूंस तथा च्तोंीप ।हंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

कीतनअ ।हंतूंस का वर्ण वैश्य है तथा च्तोंीप ।हंतूंस का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

कीतनअ ।हंतूंस का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं च्तोंीप ।हंतूंस का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोंीप ।हंतूंस दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

कीतनअ ।हंतूंस की तारा सम्पत तथा च्तोंीप ।हंतूंस की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोंीप ।हंतूंस दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। च्तोंीप ।हंतूंस एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

कीतनअ ।हंतूंस की योनि महिष है तथा च्तोंीप ।हंतूंस की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोीप ।हंतूंस दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोीप ।हंतूंस दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

कीतनअ ।हंतूंस का गण देव तथा च्तोीप ।हंतूंस का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु च्तोीप ।हंतूंस अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोीप ।हंतूंस दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोीप ।हंतूंस तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

कीतनअ ।हंतूंस की नाड़ी आद्य है तथा च्तोीप ।हंतूंस की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीतनअ ।हंतूंस एवं च्तोीप ।हंतूंस दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त राशि कन्या है। इसके शुभ प्रभाव से कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस के मध्य स्वाभाविक समानता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस दोनों की जन्म राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर मित्रता सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे की सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे दाम्पत्य संबधों में स्नेह की वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करके सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग एवं सहानुभूति प्रदान करने में समर्थ होंगे। इनकी एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी तथा सदगुणों की प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर वैवाहिक जीवन का सुखोपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस दोनों का वश्य मानव है। अतः समान वश्य होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता समान होगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की कार्य क्षमता तथा प्रवृति में समानता होगी तथा धनार्जन संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही वणिक बुद्धि से सांसारिक कार्य कलाप करने में तत्पर होंगे।

धन

कीतनअ ।हंतूंस सम्पत तथा च्तोंीप ।हंतूंस अतिमित्र तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इनका भकूट सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से इनकी स्थिति रहेगी लेकिन मंगल का कीतनअ ।हंतूंस की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव होगा जिससे यदा कदा वे आर्थिक विषमता का सामना कर सकते हैं।

कीतनअ ।हंतूंस भाग्यवान तथा धनाढ्य व्यक्ति होंगे तथा च्तोंीप ।हंतूंस के शुभ प्रभाव से धनऐश्वर्य की अभिवृद्धि करने में सफल होंगे। साथ ही अनायास धन प्राप्ति के भी योग

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

बनेंगे। लेकिन कीतनअ ।हंतूंस को अपनी व्ययशील प्रवृति पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस दोनों का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। यद्यपि प्रथम दृष्टि से यह नाड़ी दोष बनता है लेकिन इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा उनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त माने जाएंगे जिससे इनका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा परन्तु च्तोंीप ।हंतूंस पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगी तथा हृदय रोग संबंधी कोई परेशानी भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त गुप्त रोग एवं मासिक धर्म संबंधी कष्ट भी वह समय समय पर प्राप्त करेंगी एवं काम क्रिया में वह उदासीनता का प्रदर्शन करेंगी इससे परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा। अतः मंगल के अशुभ फलों को कम करने के लिए च्तोंीप ।हंतूंस को नियमित रूप से हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए एवं मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में च्तोंीप ।हंतूंस के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन च्तोंीप ।हंतूंस को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में च्तोंीप ।हंतूंस को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार कीतनअ ।हंतूंस और च्तोंीप ।हंतूंस का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

च्तोंीप ।हंतूंस के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। च्तोंीप ।हंतूंस भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा च्तोंीप ।हंतूंस भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का च्तोंीप ।हंतूंस को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

कीतनअ ।हंतूंस तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में कीतनअ ।हंतूंस के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह कीतनअ ।हंतूंस को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही कीतनअ ।हंतूंस के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण कीतनअ ।हंतूंस के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com